

असाधारण

EXTRAORDINARY भाग 2—अनुभाग 3क PART II— Section 3A प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3 No. 3 नई दिल्ली, बुधवार, 14 अगस्त, 2013/23 श्रावण, 1935 (शक)

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 14, 2013/SHRAVANA, 23, 1935 (Saka)

खण्ड XLIV Vol. XLIV

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

राजभाषा खंड

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 2013/23 श्रावण, 1935 (शक)

बोम्बे मोटर व्हीकल्स टेक्स (अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 2011 का हिन्दी अनुवाद, राष्ट्रपित के प्राधिकार से, प्रकाशित किया जाता है और राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन, यह हिन्दी में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा :—

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(LEGISLATIVE DEPARTMENT)

OFFICIAL LANGUAGES WING

New Delhi, August 14, 2013/Shravana 23, 1935 (Saka)

The translation in Hindi of the Bombay Motor Vehicles Tax (Amendment) Regulation, 2011 is hereby published under the authority of the President and shall be deemed to be the authoritative text thereof in Hindi under clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the Official Languages Act, 1963 (19 of 1963):—

बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011

(2011 का विनियम संख्यांक 1)

भारत गणराज्य के इकसठवें वर्ष में राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यापित। दादरा और नागर हवेली में यथा विस्तारित बंबई मोटर यान कर (संशोधन) अधिनियम, 1958 का और संशोधन

करने के लिए

विनियम

राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 240 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनके द्वारा बनाए गए निम्निलखित विनियम को प्रख्यापित करते हैं:—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इस विनियम का संक्षिप्त नाम बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 है।
- (2) यह उस तारीख को प्रवृत्त होगा, जो प्रशासक, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, नियत करे।
- 2. परिभाषाएं—दादरा और नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र पर यथा विस्तारित बंबई मोटर यान कर अधिनियम, 1958 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) में, संपूर्ण अधिनियम में,—
 - (i) "मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4)" शब्दों और अंकों के स्थान पर "मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59)" शब्द और अंक रखे जाएंगे;
 - (ii) "कर टोकन", शब्दों के स्थान पर "कर प्राप्ति" शब्द रखे जाएंगे।
 - 3. धारा 2 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 2 में,—
 - (i) खंड (1ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

'(1ग) "यान की कीमत", बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही—

> (क) भारत में विनिर्मित यान के संबंध में यान के विनिर्माता या डीलर द्वारा जारी किए गए यान के क्रय बीजक के अनुसार कीमत अभिप्रेत है और जिसमें मूल विनिर्माण लागत, उत्पाद-शुल्क और दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में देय विक्रय कर या मूल्य वर्धित कर भी सम्मिलित है; और

> (ख) भारत में आयातित किसी यान के संबंध में, उसके विनिर्माण के स्थान को विचार में लाए बिना, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन निर्धारणीय मूल्य और उस पर संदत्त सीमाशुल्क से मिलकर

बनी, उतरने पर यान की कीमत अभिप्रेत है जिसके अन्तर्गत दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के सीमाशुल्क विभाग द्वारा प्रविष्टि बिल में यथा पृष्ठांकित, संदत्त अतिरिक्त शुल्क, यदि कोई हो, भी है;';

(ii) खंड (2) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

> '(2क) "मोटर यान" से मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) में यथापरिभाषित कोई मोटर यान अभिप्रेत है, चाहे मोटर स्प्रिट या मोटर स्प्रिट से भिन्न ईंधन का उपयोग करते हों;

(2ख) "गैर-परिवहन यान" से परिवहन यान से भिन्न यान अभिप्रेत है; ;

(iii) खंड (5) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

> '(5क) "परिवहन यान" से लोक सेवा यान, माल वाहक, स्कूल बस या निजी सेवा यान अभिप्रेत है;

- (iv) खंड (9) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—
 - '(9) "वर्ष" से किसी फ्लीट स्वामी के संबंध में वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है; और किसी अन्य की दशा में उस मास के, जिसमें मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) के अधीन कोई मोटर यान रिजस्ट्रीकृत है या कोई नया रिजस्ट्रीकरण चिन्ह समनुदेशित किया गया है, पहले दिन से प्रारंभ होने वाले बारह मास की अवधि अभिप्रेत है।'।
- 4. धारा 3 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 3 में,—
 (i) उपधारा (1) में, दूसरे परंतुक के पश्चात्,
 निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्ः—

"परंतु इस उपधारा में अंतर्विष्ट कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी ।"; (ii) उपधारा (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

> '(1क) इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन रहते हुए, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में सभी प्रकार के निम्नलिखित यानों पर कर का उद्ग्रहण और संग्रहण किया जाएगा—

> > (क) संघ राज्यक्षेत्र में परिवहन यानों के उपयोग करने या उपयोग के लिए रखने के लिए, प्रशासक द्वारा राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत की गई दर पर कर लगाएगा, किंतु यह अनुसूची क में विनिर्दिष्ट अधिकतम दर से अधिक नहीं होगा:

> > (ख) संघ राज्यक्षेत्र में गैर-परिवहन मोटर साइकिल और तीन पहिया साईंकिल का उपयोग करने या उपयोग के लिए, रखने के लिए अनुसूची ख में यथा विनिर्दिष्ट एक बार कर लगेगा:

> > परंतु यदि यान का रजिस्ट्रीकरण उस तारीख के (जिसे इस उपधारा में इसके पश्चात् "उक्त तारीख" कहा गया है) पश्चात् किया गया है जिसको यह उपधारा प्रभावी होती है तो अनुसूची ख के भाग 1 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा:

> > परंतु यह और कि यदि यान उक्त तारीख से पहले ही रजिस्ट्रीकृत है और ऐसा कर पहले से ही संदत्त कर दिया गया है, तो अनुसूची ख के भाग 2 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा:

> > परंतु यह भी कि यदि यान पहली बार किसी अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में रिजस्ट्रीकृत है और उसके पश्चात् यान का दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में अंतरण किया गया हो, तो अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में प्रथम रिजस्ट्रीकरण का मास ध्यान में रखते हुए अनुसूची ख के भाग 2 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा।

(ग) संघ राज्यक्षेत्र में गैर-परिवहन मोटर कार, ओमनी बस और अन्य यानों के उपयोग करने या उपयोग के लिए रखने पर, अनुसूची ग में यथा विनिर्दिष्ट एक बार कर लगेगा: परंतु यदि यान उक्त तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत हुआ है, तो अनुसूची ग के भाग 1 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा:

परंतु और यह कि यदि यान उक्त तारीख़ से पहले ही रजिस्ट्रीकृत है और जिस पर ऐसा कर पहले से ही संदत्त किया जा चुका है, तो अनुसूची ग के भाग 2 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा:

परंतु यह भी कि यदि यान पहली बार किसी अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में रिजस्ट्रीकृत है और उसके पश्चात् यान का दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में अंतरण किया गया हो, तो अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में प्रथम रिजस्ट्रीकरण का मास ध्यान में रखते हुए अनुसूची ग के भाग 2 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगेगा।';

(iii) उपधारा (2) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थातुः—

"परंतु इस उपधारा में अंतर्विष्ट कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी।";

(iv) उपधारा (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

> "(3) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही और दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में, इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, कोई रजिस्ट्रीकृत स्वामी या किसी मोटर यान पर कब्जा या उस पर नियंत्रग रखने वाला कोई व्यक्ति तब तक संघ राज्यक्षेत्र में ऐसे यान का उपयोग करता हुआ या संघ राज्यक्षेत्र में ऐसे यान को उपयोग करने के लिए रखने वाला समझा जाएगा जब तक वह विहित रीति में कर प्राधिकारी को पहले से लिखित में सूचित नहीं कर देता है कि सूचना में निर्दिष्ट किसी अवधि के दौरान यान का संघ राज्यक्षेत्र में उपयोग नहीं किया जाएगा या उपयोग के लिए नहीं रखा जाएगा और कर प्राधिकारी विहित रीति में, प्रमाणित कर देता है कि प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट अवधि के दौरान ऐसे मोटर यान का संघ राज्यक्षेत्र में उपयोग नहीं किया गया था या उपयोग के लिए नहीं रखा गया था :

परंतु जहां कोई यान किसी दुर्घटना, यांत्रिक दोष के कारण या किसी अन्य पर्याप्त कारण से उपयोग में लाने या उपयोग के लिए रखे जाने के लिए असमर्थ हो गया है, जिसके कारण यथापूर्वोक्त पूर्व सूचना देना असंभव हो गया है, वहां ऐसी दुर्घटना के होने या ऐसे अन्य कारण की तारीख से सात दिन की अविध के भीतर विहित रीति में ऐसी सूचना दी जा सकेगी:

परंतु यह और कि, जहां, कर प्राधिकारी द्वारा, यथास्थिति, अनुपयोग की अविध प्रारंभ होने के पश्चात् या पूर्ववर्ती परंतुक में विनिर्दिष्ट अविध के अवसान के पश्चात् सूचना प्राप्त की जाती है और सूचना में विनिर्दिष्ट पूरी अविध सूचना की प्राप्ति की तारीख से पूर्व समाप्त नहीं हुई है, वहां कर प्राधिकारी सूचना की प्राप्ति की तारीख तक की अविध के लिए संदेय पूर्ण कर की वसूली कर सकेगा और विहित रीति में प्रमाणित कर सकेगा कि सूचना में विनिर्दिष्ट अविध के शेष भाग के दौरान मोट्टर यान का संघ राज्यक्षेत्र में उपयोग नहीं किया गया था या उपयोग करने के लिए नहीं रखा गया था।

(4) दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, उपधारा (3) में किसी बात के होते हुए भी यदि उक्त उपधारा के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है तब भी, कर प्राधिकारी, जहां उसका समाधान हो जाता है कि किसी अविध के दौरान दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में किसी मोटर यान का उपयोग नहीं किया गया था या उपयोग के लिए नहीं रखा गया था, कारणों को लेखबद्ध करके प्रमाणित कर सकेगा कि प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट अविध के दौरान दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में ऐसे मोटर यान का उपयोग नहीं किया गया था या उपयोग के लिए नहीं रखा गया था गया था या उपयोग के लिए नहीं रखा गया था या उपयोग के लिए नहीं रखा गया था।"।

5. धारा 3क का अंत:स्थापन—मूल अधिनियम की धारा 3 के पश्चात् निम्नलिखित धारा अंत:स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"3क. हरित कर का उद्ग्रहण—बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में ऐसे सभी मोटर यानों पर जिन्होंने रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के समय प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से अनुसूची घ के स्तंभ (2) में यथाविनिर्दिष्ट पंद्रह वर्ष की अविध पूरी कर ली है और जो सड़क पर उपयोग करने के लिए उपयुक्त हैं, धारा 3 के अधीन उद्गृहीत कर के अतिरिक्त वायु प्रदूषण नियंत्रण के विभिन्न उपायों के क्रियान्वयन के प्रयोजन के लिए स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट दरों पर "हरित कर" के नाम से ज्ञात एक उपकर उदगृहीत और संगृहीत किया जाएगा।"।

6. धारा 4 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 4 में,—

(i) उपधारा (1) में निम्निलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थातुं :—

> "परंतु इस उपधारा की कोई बात बंबई मोटर परिवहन कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली को लागू नहीं होगी।";

(ii) उपधारा (1) के पश्चात् निम्निलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(1क) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, धारा 3 की उपधारा (1क) के खंड (क) के अधीन दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में उद्ग्रहणीय कर का अग्रिम संदाय प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत स्वामी या मोटर यान का स्वामित्व या नियंत्रण रखने वाले किसी व्यक्ति द्वारा निम्निलिखत प्रकार से किया जाएगा,—

(क) धारा 3 की उपधारा (1क) के खंड (क) के अधीन प्रशासक द्वारा नियत दरों पर, वार्षिक रूप से (जिसे इसमें इसके पश्चात् "वार्षिक दर" कहा गया है); या

(ख) एक या अधिक तिमाहियों के लिए प्रत्येक ऐसी तिमाही के संदाय पर वार्षिक दर का एक चौथाई और उसकी तिमाही दर का दस प्रतिशत (जिसे इसमें इसके पश्चात् "तिमाही दर" कहा गया है); या

- (ग) तिमाही के अंतिम दिन समाप्त होने वाली, तिमाही से कम की किसी अवधि के लिए, कर की वार्षिक दर का बारहवां भाग और उसके मासिक दर का बीस प्रतिशत (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मासिक दर" कहा गया है)।";
- (iii) उपधारा (2) में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परंतु इस उपधारा की कोई बात, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली को लागू नहीं होगी।";

(iv) उपधारा (2) के पश्चात् निम्निलिखित उपधाराएं अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थातः—

"(3) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, जहां मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) के अधीन जारी अस्थायी अनुज्ञप्ति के आधार पर दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में कोई परिवहन यान उपयोग या उपयोग के लिए

रखे जाने के लिए लाया जाता है, वहां धारा 4 में उपबंधित रीति में उस पूरी अवधि के लिए कर उद्ग्रहीत और संगृहीत किया जाएगा जिसके लिए दादरा और नागर हवेली में इसका उपयोग किया जाता है या उपयोग करने के लिए रखा जाता है।

(4) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, धारा 3 की उपधारा (1क) के खंड (ख) और खंड (ग) के उपबंधों के अनुसरण में गैर-परिवहन मोटर यानों के लिए उदगृहीत कर का, रिजस्ट्रीकृत स्वामी या यान का स्वामित्व या नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों द्वारा एकमुश्त अग्रिम संदाय किया जाएगा और इस प्रकार संदत्त कर यान का तब तक एक बारगी कर होगा, जब तक ऐसी अविध के दौरान यान का परिवर्तन नहीं किया जाता, या ऐसी रीति में उपयोग करने का प्रस्ताव नहीं किया जाता जो कि यान को ऐसा यान बनाए जिसके संबंध में कोई भिन्न कर संदेय है:

परंतु, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ की तारीख से पहले ऐसे रजिस्ट्रीकृत गैर-परिवहन यानों के संबंध में जिनके कर का संदाय वार्षिक रूप में किया जाना था, उनका अनुसूची ख और ग में विनिर्दिष्ट कर का संदाय बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ की तारीख से साठ दिन की अविध के पूर्ण होने की तारीख को या उससे पहले किया जाएगा।"।

7. धारा 5 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 5 में,—

(i) उपधारा (1) में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

> "परंतु इस उपधारा की कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी।";

(ii) उपधारा (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(1क) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, जब दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में किसी मोटर यान की बाबत धारा 3 के अधीन उद्गृहणीय कर संदत्त किया जाता है, तब कराधान प्राधिकारी कर का संदाय करने वाले व्यक्ति को,—

(क) विहित प्ररूप में एक रसीद जारी करेगा जिसमें यह उपदर्शित होगा कि ऐसे कर का संदाय कर दिया गया है; और (ख) विहित प्ररूप में कर के संदाय का प्रमाणपत्र जारी करेगा जिसमें वह दर, जिस दर से कर उदग्रहणीय है और, यथास्थिति, विनिर्दिष्ट अवधि या यान का जीवनकाल जिसके लिए कर का संदाय किया गया है; उपदर्शित होगा।"।

8. धारा 6 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 6 में,—

(i) उपधारा (1) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

> "परंतु इस उपधारा की कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी।"।

(ii) उपधारा (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(1क) इस धारा के उपबंधों के अधीन रहते हुए बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, प्रत्येक रिजस्ट्रीकृत स्वामी, या ऐसा व्यक्ति जिसका दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में उपयोग किए गए या उपयोग के लिए रखे गए किसी मोटर यान पर कब्जा है या नियंत्रण है, उपधारा (4) में उपबंधित रीति में एक घोषणा करेगा, उसे हस्ताक्षरित और परिदत्त करेगा तथा ऐसी घोषणा के साथ, कराधान प्राधिकारी को ऐसे कर का संदाय करेगा जो ऐसी घोषणा द्वारा ऐसे यान की बाबत संदाय करने के लिए उसका दायी होना प्रतीत होता है:

परंतु दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में प्रवेश करने वाले परिवहन यानों की बाबत कर के संदाय के साथ ऐसी घोषणा दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में प्रवेश के स्थल के निकटतम कर संग्रहण केंद्र पर परिदत्त की जाएगी।";

- (iii) उपधारा (3) में, "मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) का अध्याय 8" शब्दों और अंकों के स्थान पर, "मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) का अध्याय 11" शब्द और अंक रखे जाएंगे;
- (iv) उपधारा (5) में निम्निलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परंतु इस उपधारा की कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नगर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी।";

(v) उपधारा (5) के पश्चात्, निम्नलिखित उपधाराएं अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

- "(6) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, किसी परिवर्तित मोटर यान की बाबत कराधान प्रमाणपत्र सहित घोषणा की प्राप्ति पर, कराधान प्राधिकारी कर की परिवर्तित दर को अभिनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए ऐसे प्राधिकारी द्वारा यान का निरीक्षण करवाने की अपेक्षा कर सकेगा जो वह इस निमित्त विनिर्दिष्ट करेगा और उसके द्वारा प्राप्त निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कराधान प्राधिकारी ऐसे परिवर्तित यान की बाबत संदेय कर की परिवर्तित दर का निर्धारण कर सकेगा।
- (7) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, अतिरिक्त कर की प्राप्ति पर कराधान प्राधिकारी अतिरिक्त कर की बाबत रसीद जारी करेगा और कराधान प्रमाणपत्र को उपयुक्ततः संशोधित करेगा जो उसके द्वारा हस्ताक्षरित और दिनांकित होगा।"।
- 9. धारा 7 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 7 में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

'परंतु इस धारा के उपबंध दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही ऐसे प्रभावी होंगे मानो "ऐसे असमाप्त भाग के लिए कर उच्चतर दर पर संदेय है और उस दर पर उक्त भाग के लिए ऐसे यान के परिवर्तन या उपयोग से पहले संदत्त कर दिया गया हो तथा जब तक कि ऐसा अतिरिक्त कर संदाय नहीं कर दिया जाता है कराधान प्राधिकारी इस प्रकार परिवर्तित या प्रयोग के लिए प्रस्तावित यान के संबंध में कोई नया कर टोकन प्रदान नहीं करेगा" शब्दों के स्थान पर "उच्चतर दर पर ऐसे शेष भाग के लिए संदेय कर और उस भाग के लिए यान के परिवर्तन या प्रयोग के पूर्व संदत्त कर की दर" शब्द रखे गए थे।'।

- 10. धारा 9 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 9 में, उपधारा (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—
 - "(5) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही जहां किसी रिजस्ट्रीकृत स्वामी या किसी व्यक्ति ने, जिसके कब्जे या नियंत्रण में कोई मोटर यान है, उस पर शोध्य रकम से अधिक रिक्त कर का संदाय कर दिया है, वहां कराधान प्राधिकारी, यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि ऐसे रिजस्ट्रीकृत स्वामी या व्यक्ति से

ऐसे यान की बाबत किसी अवधि के लिए किसी कर का बकाया शोध्य नहीं है, ऐसे रिजस्ट्रीकृत स्वामी या व्यक्ति को रकम के अधिक्य का प्रतिदाय करेगा:

परंतु यदि ऐसा रजिस्ट्रीकृत स्वामी या व्यक्ति कराधान अधिकारी को लिखित में यह सूचना देता है कि उसे प्रतिदाय योग्य रकम या उसका कोई भाग ऐसी सूचना में विनिर्दिष्ट किसी भविष्यकालीन अविध के लिए यान की बाबत कर के संदाय के लिए विनियोजित किया जाए और ऐसे कर के संदाय को अभिलिखित करने के लिए कराधान प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता हो तो कराधान अधिकारी, इस प्रयोजन के लिए किए गए सम्यक् सत्यापन के पश्चात् अपने हस्ताक्षर के द्वारा कराधान प्रमाणपत्र में प्रविष्टि कराएगा तथा उसमें भविष्यवर्ती उस अविध को विनिर्दिष्ट करेगा जिसकी बाबत, यथास्थित, प्रतिदेय रकम या उसका भाग कर के संदाय के लिए विनियोजित कर लिया गया है और ऐसे विनियोजन के पश्चात् शेष, यदि कोई है, का प्रतिदाय ऐसे स्वामी या किसी व्यक्ति को करेगा।

- (6) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, जहां इस धारा के अधीन किसी यान के संबंध में कर का प्रतिदाय किया जाता है, वहां कराधान प्राधिकारी कराधान प्रमाणपत्र में ऐसे किए गए प्रतिदाय की प्रविष्टि कराएगा।
- (7) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, उपधारा (1) में किसी बात के होते हुए भी, जहां धारा 3 की उपधारा (1क) के अधीन कर का संदाय किया गया है, वहां गैर-परिवहन यान का कोई रजिस्ट्रीकृत स्वामी निम्नलिखित दशा में, यथास्थिति, अनुसूची ख या अनुसूची ग में विनिर्दिष्ट दर से कर के प्रतिदाय का हकदार होगा—
 - (क) स्वामित्व के अंतरण या पते में परिवर्तन किए जाने पर किसी अन्य राज्य को मोटर यान को हटाए जाने की दशा में; या
 - (ख) दुर्घटना या किसी अन्य कारण से उसके स्क्रैप हो जाने की दशा में :

परंतु कर का प्रतिदाय कराधान प्राधिकारी द्वारा—

(i) स्वामित्व के अंतरण या पते में परिवर्तन हो जाने पर दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के बाहर मोटर यान के हटाए जाने की दशा में संघ राज्यक्षेत्र से बाहर उसके अंतरण के पर्याप्त सबूत के पेश किए जाने पर ही; और (ii) मोटर यान स्क्रैप किए जाने की दशा में, बीमा कंपनी से कोई प्रमाणपत्र या कोई अन्य पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने पर ही कि यह मरम्मत से परे है और पुनः प्रयोग में नहीं लाया जा सकता,

मंजूर किया जाएगा।

(8) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, उपधारा (1) और उपधारा (3) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां कोई ऐसा गैर-परिवहन मोटर यान जिसकी बाबत धारा 3 के अधीन कर का संदाय किया गया है ऐसी रीति में परिवर्तित किया जाता है या उसका प्रयोग किया जाता है जिससे वह एक ऐसा मोटर यान बन जाता है जिसकी बाबत कर निम्नतर दर पर उदग्रहणीय है तो ऐसा व्यक्ति जिसने ऐसे कर का संदाय किया है, प्रमाणपत्र पेश करने पर, ऐसी एकम्श्त कर की रकम के बीच के अंतर के बराबर राशि के ऐसे प्रतिदाय के लिए हकदार होगा जो ऐसे मोटर यान की बाबत, यदि उसमें निम्नतर दर और कर की रकम के लिए उसे ऐसे कर के लिए अर्हित करने के लिए परिवर्तन न किया गया होता. संदत्त किया गया होता, जो निम्न दरों पर ऐसे यान पर उदग्रहणीय है, और कराधान प्राधिकारी कराधान प्रमाणपत्र में ऐसे प्रतिदाय कीं प्रविष्टि कराएगा।"।

11. धारा 12 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 12 में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परंतु बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में यदि ब्याज सहित कर की बकाया रकम दस हजार रुपए से अधिक है तो संघ राज्यक्षेत्र द्वारा इस निमित्त पदाभिहित अधिकारी, आदेश द्वारा, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो ऐसे आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, एक वर्ष की अविध के भीतर चार से अनिधक किस्तों में संदाय करने की प्रसुविधा प्रदान कर सकेगा।"।

12. नई धारा 12क और धारा 12ख का अंत:स्थापन— मूल अधिनियम की धारा 12 के पश्चात् निम्नलिखित धाराएं अंत:स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

> "12क. मोटर यान के उपयोग पर निर्वंधन—दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, संघ राज्यक्षेत्र में इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन शोध्य

होने के पश्चात् तीस दिन से अधिक की अवधि के लिए किसी कर के असंदत्त रहने की दशा में, संघ राज्यक्षेत्र में उपयोग किए गए या उपयोग के लिए रखे गए किसी मोटर यान का तब तक किसी सड़क पर उपयोग नहीं किया जाएगा जब तक शोध्य कर और ब्याज, यदि कोई हो, संदत्त नहीं कर दिया जाता।

12ख. कर का संदाय न करने की दशा में मोटर यान को अभिग्रहण और निरुद्ध करने की शक्ति—दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही धारा 12, धारा 12क और धारा 16 के उपबंधों पर विपरीत प्रभाव डाले बिना जहां किसी मोटर यान के संबंध में धारा 4 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट बकाया कर का संदाय नहीं किया जाता है वहां ऐसा अधिकारी जो मोटर यान विभाग का मोटर यान निरीक्षक या पलिस विभाग का कोई निरीक्षक जिसे दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र इस निमित्त सशक्त करे, इस निमित्त बनाए गए नियमों के अधीन ऐसे मोटर यान को जिसकी बाबत इस अधिनियम के अधीन कर शोध्य है तब तक अभिग्रहण और निरुद्ध कर सकेगा जब तक कि यान की बाबत शोध्य कर और ब्याज, यदि कोई हो, संदत्त नहीं कर दिया जाता और इस प्रयोजन के लिए यान के उचित रख-रखाव और सुरक्षित अभिरक्षा हेतु सभी कदम उठाएगा या कदम उठवाएगा तथा यान की अभिरक्षा और रख-रखाव के लिए वसूल किए जाने वाले प्रभारों, यदि कोई हो, का उपबंध कर सकेगा।"।

- 13. धारा 16 का संशोधन—मूल अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (1) के खंड (ग) में,—
 - (i) उपखंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

'परंतु बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में इस खंड के उपबंधों का वही प्रभाव होगा मानो "ऐसा यान" शब्दों जहां कहीं वे आते हैं, के स्थान पर, "ऐसा परिवहन यान" शब्द प्रतिस्थापित किए गए थे;';

- (ii) इस प्रकार अंतःस्थापित परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित उपखंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्ः—
 - "(iii) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर

हवेली संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में जहां किसी अपराध का दोषी कोई व्यक्ति ऐसे गैर-परिवहन मोटर यान का रजिस्ट्रीकृत स्वामी है, जिस पर धारा 3 की उपधारा (1क) के खंड (ख) और खंड (ग) के अधीन एकमुश्त कर उद्गृहीत किया जाता है, वहां जुर्माना तीन सौ रुपए से कम नहीं होगा और जो ऐसे यान की बाबत संदेय एकमुश्त कर के समान राशि तक हो सकेगा; और इस धारा के अधीन किसी अपराध के लिए पहले दोषसिद्ध किए गए ऐसे व्यक्ति की दशा में, जुर्माना पांच सौ रुपए से कम का नहीं होगा और जो ऐसे यान की बाबत संदेय एकमुश्त कर के दगुने के बराबर राशि तक हो सकेगा।"।

- 14. नई धारा 26 और धारा 27 का अंत:स्थापन—मूल अधिनियम की धारा 25 के पश्चात् निम्निलिखित धाराएं अंत:स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—
 - '26. मोटर यानों पर पथकर का उद्ग्रहण—(1) इस अधिनियम की धारा 3 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र किसी पुल या किसी सुरंग, जिसके अंतर्गत उसकी पहुंच सड़क भी है या सड़क के किसी भाग या किसी बाईपास से गुजरने वाले मोटर यानों और ऐसे यानों द्वारा खींचे गए ट्रेलरों पर पथकर उद्गृहीत कर सकेगा जिससे कि निम्निलिखित की बाबत ऐसा पथकर उद्गृहीत किया जा सके:—
 - (i) किसी ऐसे पुल या सुरंग जिसके अंतर्गत ऐसी पहुंच सड़क या सड़क का कोई भाग या कोई बाईपास भी है, जो, यथास्थित, नया सिन्निर्मित, पुनःसिन्निर्मित, सुधार किया गया या मरम्मत किया गया है, की बाबत जो बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ के पश्चात् संघ राज्यक्षेत्र के खर्च पर या किसी व्यक्ति या निकाय या व्यक्तियों के संगम चाहे वह निगमित हो या नहीं, के खर्चे पर या दोनों अर्थात् संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन और ऐसा कोई व्यक्ति या निकाय या संगम के खर्च पर किया गया है और जिसके, यथास्थिति, सिन्निर्माण, पुनःसिन्निर्माण, सुधार या मरम्मत का कुल पूंजी परिव्यय दस लाख रुपए से कम नहीं है: या
 - (ii) ऐसे पुल या सुरंग की बाबत, जिसके अंतर्गत पहुंच सड़क या सड़क का भाग या कोई अन्य बाईपास भी है, जो दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र की राय में जनता के लिए विशेष सेवा का है।

- (2) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही, उपधारा (1) के अधीन उद्गृहीत पथकर ऐसी दर पर और ऐसी अविध के लिए उद्गृहीत किया जाएगा जो दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र, समय-समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा घोषित करे।
- (3) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र, पथकर दर और उस अविध का अवधारण करते समय जिसके लिए ऐसे पथकर का उद्ग्रहण किया जाएगा, कुल पूंजी परिव्यय, पथकर का संभावित संग्रहण, पथकर के संग्रहण के खर्चे और करार में अनुबंधित ऐसे व्यक्तियों या निकाय द्वारा पथकर के संग्रहण की अविध और प्रतिधारण की रकम से संबंधित, यथास्थिति, प्राइवेट व्यक्ति, निकाय या व्यक्तियों के संगम (निगमित हो या नहीं) के साथ किए गए किसी करार, यदि कोई हो, के निबंधनों और शर्तों, को ध्यान में रखेगा।
- (4) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र, स्वयं या अपने अभिकर्ता के माध्यम से उपधारा (1) के अधीन उद्गृहीत पथकर का संग्रहण कर सकेगा और जहां ऐसा संग्रहण अभिकर्ता के माध्यम से किया जाता है वहां ऐसा अभिकर्ता या उसके कर्मचारी इस अधिनियम के अधीन पथकर संग्रहण करने के लिए सशक्त व्यक्ति समझे जाएंगे:

परंतु इस धारा के अधीन पूंजी परिव्यय और पथकर के संग्रहण के खर्चों से अधिक पथकर संगृहीत नहीं किया जाएगा:

परंतु यह और कि ऐसे व्यक्ति या निकाय या व्यक्तियों के संगम को, जिसके खर्चे पर या तो पूर्णतया या आंशिक रूप से सड़क का सन्निर्माण किया जाता है, पुनःसन्निर्माण किया जाता है, सुधार किया जाता है, या मरम्मत की जाती है, ऐसे पथकर की संपूर्ण रकम या उसके भाग को, जो इस निमित्त समय-समय पर साधारण या विशेष आदेश जारी करके दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र द्वारा अवधारित किया जाए, संगृहीत करने के लिए और प्रतिधारित करने के लिए हकदार अभिकर्ता समझा जाएगा।

(5) बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही जहां कोई अतिरिक्त पुल या सुरंग जो उसी सरिता, नदी या क्रीक या सड़क या रेल पथ, जिसके अंतर्गत उनकी कोई पहुंच सड़क भी है, पर या उनके नीचे पुल या सुरंग है, यथास्थिति, विद्यमान पुल,

सुरंग या सड़क के प्रयोग की सुविधा की वृद्धि के रूप में सिन्निर्मित किया जाता है तो ऐसे पुलों या सुरंगों का नेटवर्क, जिसके अंतर्गत उनकी पहुंच सड़क भी है, पथकर के उद्ग्रहण के प्रयोजन के लिए एकल अस्तित्व समझा जाएगा, जिससे ऐसे अतिरिक्त पुल या सुरंग, जिसके अंतर्गत उसकी कोई पहुंच सड़क भी है, के पूंजी परिव्यय और पथकर के संग्रह के व्यय से अधिक वसूल नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के प्रयोजनों के लिए "पूंजी परिव्यय" पद के अन्तर्गत तब तक कतिपय आवश्यक चालू या आसन्न संकर्म की प्रत्याशित लागत भी होगी, जैसे सुधार सुदृढ़ीकरण, चौड़ाईकरण, संरचनात्मक मरम्मत,

अनुरक्षण, प्रबंध, प्रचालन, युक्तियुक्त प्रत्यागम और ऐसी दर पर ऐसे परिव्यय पर ब्याज, जो संघ राज्यक्षेत्र नियत करे जब तक ऐसे पूरे परिव्यय की रकम वसूल नहीं कर ली जाती है।

27. दादरा और नगर हवेली को पहली अनुसूची से तीसरी अनुसूची का लागू न होना—इस अधिनियम की पहली अनुसूची से तीसरी अनुसूची तक में की कोई बात बंबई मोटर यान कर (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से ही दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र को लागू नहीं होगी।'।

15. नईं अनुसूचियों का अंतःस्थापन—मूल अधिनियम की तीसरी अनुसूची के पश्चात्, निम्नलिखित अनुसूचियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"अनुसूची क [धारा 3(1क) देखिए]

दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में परिवहन यान पर कर

मोटर यान का वर्णन	कर की अधिकतम वार्षिक दर
	रुपए में
(1)	(2)
भाग 1—मोटर स्प्रिट का उपयोग करने वाले मोटर यान	
क. ऐसे मोटर यान जिनमें एकमात्र रूप से वायवीय टायर लगाएं गए हैं —	
1 ऐसे मोटर यान जो 250 किलोग्राम से अधिक नहीं	
अविधिमान्य यानों के लिए अनुकूलित और उपयोग किए गए लदान रहित भार में	5.00 रुपए
2 माल या सामग्रियों के वहन के लिए उपयोग किए गए मोटर यान	
(जिनके अंतर्गत तिपहिया साइकिल भी है)	
(क) रजिस्ट्रीकृत लदान सहित भार या उसके भाग के प्रत्येक	
सौ किलोग्राम के लिए	35.00 रुपए
(ख) लदान रहित भार के प्रत्येक 100 किलोग्राम के लिए डीजल	
से भिन्न ईंधन का प्रयोग करने वाले यान :	30.00 रुपए

परंतु जहां मोटर यानों पर कर किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा उद्गृहीत किया जाता है वहां ऐसे स्थानीय प्राधिकारी की सीमाओं के भीतर एकमात्र रूप से प्रयोग के लिए अधिकतम दरें पूर्वोक्त अधिकतम दरों की दो-तिहाई होंगी।

- 3 किराए के लिए चलने वाले और यात्रियों के वहन के लिए उपयोग किए गए मोटर यान (जिनके अंतर्गत तिपिहया साइकिल भी है)
 - (क) ऐसे यान जिन्हें कुल मिलाकर अधिक से अधिक दो व्यक्तियों को ले जाने के लिए अनुज़प्त किया गया है।
 - (ख) ऐसे यान जिन्हें कुल मिलाकर दो से अधिक परंतु चार से अनिधक यात्रियों को वहन करने के लिए अनुज़प्त किया गया है।

480.00 रुपए

480.00 रुपए

(1)

(2)

(ग) ऐसे यान जिन्हें चार से अधिक यात्रियों को वहन करने के लिए अनुज्ञात किया गया है।

- (I) उपर्युक्त चार यात्रियों से अधिक प्रत्येक अतिरिक्त सीट के लिए उपर्युक्त (ख) में विनिर्दिष्ट दर जमा 300.00 रु० जो अधिकतम नौ यात्रियों तक होगी; और
- (II) उपर्युक्त नौ यात्रियों के अतिरिक्त प्रत्येक यात्री के लिए उपर्युक्त (ख) में विनिर्दिष्ट दर जमा 400.00 रु० जिनकों ले जाने के लिए यान को ऐसी अनुज्ञप्ति दी गई है:

परंतु जहां मोटर यानों पर किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा कर उद्गृहीत किया जाता है वहां ऐसे प्राधिकारी की सीमाओं के भीतर एकमात्र रूप से प्रयोग के लिए अधिकतम दरें पूर्वोक्त अधिकतम दरों की दो-तिहाई होंगी।

4 नि:शक्त यानों को खींचने के लिए प्रयोग किए गए ब्रैकडाउन वैन

200.00

5 अनुसूची या अनुसूची "ग" के पूर्वगामी उपबंधों के अधीन कर के लिए दायी यानों से भिन्न मोटर यान

(क) लदान रहित भार में, 750 किलोग्राम से अनिधक वाले यान

240.00

(ख) लदान रहित भार में, 750 किलोग्राम से अधिक किंतु 1500 किलोग्राम से अनिधक वाले यान

360.00

(ग) लदान रहित भार में, 1500 किलोग्राम से अधिक किंतु 2250 किलोग्राम से अनिधक वाले यान

480.00

(घ) लदान रहित भार में, 2250 किलोग्राम से अधिक वाले यान (जिसमें चालक सहित 15 से अनिधक व्यक्तियों के लिए बैठने की क्षमता हो) 800.00

(ङ) लदान रहित भार में, 2250 किलोग्राम से अधिक वाले यान [जिसमें ऊपर (घ) में निर्दिष्ट क्षमता की अपेक्षा से अधिक बैठने की क्षमता हो] 800,00 रुपए धन 15 व्यक्तियों से अधिक के लिए प्रति व्यक्ति 10.00 रुपए (1)

(2)

- 6 ट्रेलर खींचने के लिए उपयोग किए गए मोटर यानों की बाबत संदेय अतिरिक्त कर
- (i) माल के वहन के लिए ट्रेलर का प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक ट्रेलर के लिए
- (ii) यात्रियों के वहन के लिए प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक ट्रेलर के लिए

माल या सामग्रियों के वहन के लिए प्रयोग किए गए मोटर यानों की बाबत खंड 2 में विनिर्दिष्ट दरें किराए के लिए चलने वाले और यात्रियों के वहन के लिए प्रयोग किए गए मोटर यानों की बाबत खंड 3 में की दरें

(iii) किसी अन्य प्रयोजन के लिए प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक ट्रेलर के लिए

100.00

परंतु इस खंड के अधीन, एक ही ट्रेलर की बाबत दो या दो से अधिक यान प्रभार्य नहीं होंगे।

ख. एकमात्र रूप से वायवीय टायरों से युक्त यानों से भिन्न मोटर यान

वर्ग क में दर्शित दरें धन 50 प्रतिशत 1000.00

ग. साधारण अनुज्ञप्ति के लिए मोटर यानों के व्यौहारी या विनिर्माता—

प्रत्येक मोटर यान की बाबत

अनुसूची ख [धारा 3(1क) और 4(4) और धारा 9(7) देखिए] दादरा और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र में गैर-परिवहन यानों पर कर

भाग 1

क्र०संव	० मोटर यान का विवरण	रजिस्ट्रीकरण के समय एकमुश्त कर	भारत से बाहर निर्मित और भारत में आयातित मोटर यान
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	मोटर साइकिल और ट्राइसाइकिल जिसके अंतर्गत वे भी हैं जो ट्रेलर, साइड कार को खींचने के लिए प्रयुक्त होते हैं।	रु० 1500/- न्यूनतम के अध्यधीन, यान की कीमत का 7 प्रतिशत	स्तंभ (3) में क्रमिक वर्ग के यानों के लिए विनिर्दिष्ट दर का दुगुना।
	ALC THE STATE OF T	भाग 2	
क्र०संव	० रजिस्ट्रीकरण का प्रक्रम	यदि यान पहले से रिजस्ट्रीकृत है तो संदेय एकमुश्त कर	भारत से बाहर निर्मित मोटर यान
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	यदि मोटर साइकिल या ट्राइसाइकिल या मोटर यान (ट्राइसाइकिल सहित) पहले से रजिस्ट्रीकृत है और प्रथम रजिस्ट्रीकरण के मास से इसकी आयु,—	भाग 1 के अधीन उद्ग्रहणीय एकमुश्त कर	स्तंभ (3) में क्रमिक वर्ग वे
	अनिधक है	का 95.8%	यानों के लिए विनिर्दिष् दर का दुगुना।
2.	2 वर्ष से अधिक किन्तु 3 वर्ष से अनिधिक है	91.3%	यथोक्त
3.	3 वर्ष से अधिक किन्तु 4 वर्ष से अनिधक है	86.7%	यथोक्त
4.	4 वर्ष से अधिक किन्तु 5 वर्ष से अनिधक है	81.8%	यथोक्त
5.	5 वर्ष से अधिक किन्तु 6 वर्ष से अनधिक है	76.6%	यथोक्त
6.	6 वर्ष से अधिक किन्तु 7 वर्ष से अनधिक है	71.2%	यथोक्त
7.	7 वर्ष से अधिक किन्तु 8 वर्ष से अनधिक है	65.6%	यथोक्त .
8.	8 वर्ष से अधिक किन्तु 9 वर्ष से अनिधक है	59.6%	यथोक्त

(1)	(2)			(3)		(4)
9.	9 वर्ष से अधिक किन्तु अनधिक है	10 वर्ष	से	53.4%		स्तंभ (3) में क्रमिक वर्ग के मानों के लिए
					ARTE :	विनिर्दिष्ट दर का दुगुना
10.	10 वर्ष से अधिक किन् अनधिक है	नु 11 वर्ष	से	46.8%		यथोक्त
11.	11 वर्ष से अधिक किन् अनिधक है	नु 12 वर्ष	से	39.9%		यथोक्त
12.	12 वर्ष से अधिक किन्तु अनिधक है	नु 13 वर्ष	से	32.7%		यथोक्त
13.	13 वर्ष से अधिक किन् अनिधक है	नु 14 वर्ष	से	25.1%		यथोक्त
14.	14 वर्ष से अधिक किन्त अनिधक है	नु 15 वर्ष	से	17.2%		यथोक्त
15.	15 वर्ष से अधिक है			शून्य		शून्य

टिप्पण—यदि यान का क्रय बीजक किसी कारण से प्रस्तुत नहीं किया जा सका, उस दशा में, कर उद्गृहीत करने के प्रयोजन के लिए यान की कीमत उसी निर्माता द्वारा निर्मित यान की वर्तमान कीमत होगी, जो भार में उस यान के सबसे समीप होगा जिस पर कर उद्गृहीत किया जा रहा है।

भाग 3

क्र०सं०	प्रतिदाय का दावा करने का प्रक्रम	रजिस्ट्रीकरण के निराकरण, निलंबन या रद्दकरण के लिए प्रतिदाय	प्रति तिमाही प्रतिदाय (यान का उपयोग नहीं करने के लिए)
(1)	(2)	(3)	(4)
	मोटर यान (ट्राइसाइकिल सहित) पर एकमुश्त कर के संदाय के पश्चात्, यदि व्यपगत अवधि,—		
1.	1 वर्ष से कम है	एकमुश्त संदत्त कर का 95.8%	एकमुश्त संदत्त कर का 0.9%
2.	1 वर्ष से अधिक परंतु 2 वर्ष से अनिधक है	91.3%	0.9%
3.	2 वर्ष से अधिक परंतु 3 वर्ष से अनिधक है	86.7%	0.9%
4.	3 वर्ष से अधिक परंतु 4 वर्ष से अनिधक है	81.8%	0.9%
5.	4 वर्ष से अधिक परंतु 5 वर्ष से अनिधक है	76.6%	1.0%
6.	5 वर्ष से अधिक परंतु 6 वर्ष से अनिधक है	71.2%	1.0%
7.	6 वर्ष से अधिक परंतु 7 वर्ष से अनिधक है	65.6%	1.0%

भारत का राजपंत्र असाधारण

भाग 2

(1)	(2)		(3)		(4)
8.	7 वर्ष से अधिक परंतु अनिधक है	8 वर्ष से	59.6%	State of the state	1.0%
9.	8 वर्ष से अधिक परंतु अनधिक है	9 वर्ष से	53.4%		1.0%
10.	9 वर्ष से अधिक परंतु 1	0 वर्ष से	46.8%		1.1%
11.	9	11 वर्ष से	39.9%	TANK OF BUILDING	1.1%
12.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	12 वर्ष से	32.7%		1.1%
13.	अनधिक है 12 वर्ष से अधिक परंतु 1	13 वर्ष से	25.1%		1.1%
14.	अनधिक है 13 वर्ष से अधिक परंतु 1	14 वर्ष से	17.2%		1.1%
	अनधिक है		A Karamanan da ara		
15.	14 वर्ष से अधिक है		शून्य		शून्य

टिप्पण-किसी यान के लिए उसके रजिस्ट्रीकरण के 14 वर्ष के बाद कोई प्रतिदाय स्वीकार्य नहीं होगा।

अनुसूची ग [धारा 3(1क) और 4(4) और धारा 9(7) देखिए]

दादरा और नागर हवेली के केन्द्र शासित क्षेत्र में गैर-परिवहन यानों पर कर

भाग 1

मोटर यान का विवरण	रजिस्ट्रीकरण के समय एकमुश्त कर	भारत से बाहर निर्मित और भारत में आयातित मोटर यान
(1)	(2)	(3)
मोटर कार और ओमनीबस और अन्य यान	डीजल चालित यानों से भिन्न यानों पर यान की कीमत का 4% डीजल चालित यानों पर यान की कीमत का 6%	स्तंभ सं० 2 पर यान की क्रिमिक वर्ग के लिए विनिर्दिष्ट दर का दुगुना।

भाग 2

क्र०सं०	रजिस्ट्रीकरण की अवस्था	यदि यान पहले से रिजस्ट्रीकृत है तो संदेय एकमुश्त कर	भारत से बाहर निर्मित और भारत में आयातित मोटर यान
(1)	(2)	(3)	(4)
	यदि मोटर कार पहले से रजिस्ट्रीकृत है और प्रथम रजिस्ट्रीकरण के मास से इसकी आयु,—		
1.	1 वर्ष से अधिक परंतु 2 वर्ष से अनिधक है	भाग 1 के अधीन संदेय एकमुश्त कर का 97.2%	स्तंभ (3) पर यान की क्रमिक क्षेणी के लिए विनिर्दिष्ट दर का दुगुना
2.	2 वर्ष से अधिक परंतु 3 वर्ष से अनिधक है	94.3%	यथोक्त
3.	3 वर्ष से अधिक परंतु 4 वर्ष से अनिधक है	91.2%	यथोक्त
4.	4 वर्ष से अधिक परंतु 5 वर्ष से अनिधक है	87.9%	यथोक्त
5.	5 वर्ष से अधिक परंतु 6 वर्ष से अनिधक है	84.5%.	यथोक्त
6.	6 वर्ष से अधिक परंतु 7 वर्ष से अनिधक है	81.0%	यथोक्त
7.	7 वर्ष से अधिक परंतु 8 वर्ष से अनिधक है	77.2%	यथोक्त
8.	8 वर्ष से अधिक परंतु 9 वर्ष से अनिधक है	73.3%	यथोक्त

(1)	(2)			(3)	(4)
9.	9 वर्ष से अधिक प अनधिक है	परंतु 10	वर्ष से	69.1%	स्तंभ (3) पर यान की क्रमिक क्षेणी के लिए विनिर्दिष्ट दर का दुगुना।
10.	10 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 11	वर्ष से	64.8%	यथोक्त
11.	11 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 12	वर्ष से	60.2%	यथोक्त
12.	12 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 13	वर्ष से	55.4%	यथोक्त
13.	13 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 14	वर्ष से	50.4%	यथोक्त
14.	14 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 15	वर्ष से	45.1%	ेयथोक्त
15.	15 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 16	वर्ष से	39.6%	यथोक्त
16.	16 वर्ष से अधिक अनधिक है	परंतु 17	वर्ष से	33.8%	यथोक्त
17.	17 वर्ष से अधिक	है		27.7%	यथोक्त

भाग 3

क्रo संo प्रतिदाय का दावा करने की अवस्था		रजिस्ट्रीकरण के निराकरण, निलंबन या रद्दकरण के लिए प्रतिदाय	प्रति तिमाही प्रतिदाय (यान का उपयोग नहीं करने के लिए)
(1)	(2)	(3)	(4)
	मोटर कार या सर्वयान और अन्य यानों पर एकमुश्त कर के संदाय के पश्चात्, यदि व्यपगत अवधि,—		
1.	1 वर्ष से कम है	संदत्त एकमुश्त कर का 97.2%	एकमुश्त संदत्त कर का 0.6%
2.	1 वर्ष से अधिक परंतु 2 वर्ष से अनिधक है	94.3%	0.6%
3.	2 वर्ष से अधिक परंतु 3 वर्ष से अनिधक है	91.2%	0.6%
4.	3 वर्ष से अधिक परंतु 4 वर्ष से अनिधक है	87.9%	0.7%
5.	4 वर्ष से अधिक परंतु 5 वर्ष से अनिधिक है	84.5%	0.7%
6.	5 वर्ष से अधिक परंतु 6 वर्ष से अनिधिक है	81.0%	0.7%
7.	6 वर्ष से अधिक परंतु 7 वर्ष से अनिधिक है	77.2%	0.7%

(1)	(2)		(3)	(4)
8.	7 वर्ष से अधिक पर अनिधक है	तु 8 वर्ष	से 73.3%	0.7%
9.	8 वर्ष से अधिक पर अनिधक है	तु 9 वर्ष	से 69.1%	0.7%
10.	9 वर्ष से अधिक परं अनिधक है	तु 10 वर्ष	से 64.8%	0.8%
11.	10 वर्ष से अधिक परं अनधिक है	तु 11 वर्ष	से 60.2%	0.8%
12.	11 वर्ष से अधिक परं अनधिक है	तु 12 वर्ष	से 55.4%	0.8%
13.		तु 13 वर्ष	से 50.4%	0.8%
14.		तुं 14 वर्ष	से 45.1%	0.8%
15.	14 वर्ष से अधिक परं अनिधक है	तु 15 वर्ष	से 39.6%	0.8%
16.	15 वर्ष से अधिक परं अनिधक है	तु 16 वर्ष	से 33.8%	0.9%
17.	16 वर्ष से अधिक परं अनधिक है	तु 17 वष	से 27.7%	0.9%
18.	17 वर्ष से अधिक परं अनधिक है	तु 18 वर्ष	से 21.2%	0.9%
19.	18 वर्ष से अधिक परं अनिधक है	तु 19 वर्ष	से 14.5%	0.9%
20.	19 वर्ष से अधिक परं अनधिक है	तु 20 वष	से शून्य	शून्य

टिप्पण—िकसी यान के लिए उसके प्रथम रजिस्ट्रीकरण के 19 वर्ष के बाद कोई प्रतिदाय स्वीकार्य नहीं होगा।

अनुसूची घ दादरा और नागर हवेली के संघ राज्यक्षेत्र में परिवहन और गैर-परिवहन यानों पर हरित कर की दरें [धारा (3क) देखें]

क्र० सं०	यान की श्रेणी और आयु				उपकर की रुपयों में दर
		(2)	e e e	E DA	(3)
1.	मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 41 की उपधारा (10) के अनुसार रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के समय,			e (no 11	is able to be of a fine of a sub-
		जिन्होंने अपनी प्रारंि वर्ष पूरे कर लिए हैं	भक रजिस्ट्रीकरण		
	(क) दुपहिए			and the state	रू० 250.00 प्रति पांच वर्ष
	(ख) दुपहिए से	अन्य		TE M	रु० 500.00 प्रति पांच वर्ष
2.	उपयुक्तता प्रमाण	त्यम, 1988 की धार पत्र के नवीकरण के ने प्रारंभिक रजिस्ट्रीव लिए हैं	समय परिवहन		a mannu giv mile in in th f andric giv view in dat (2) f andric
	(क) मोटर साइिकल(ख) आटो रिक्शा (माल और यात्री)(ग) मोटर कैब और मैक्सी कैब				रु० 200.00 प्रति वर्ष
					रु० 300.00 प्रति वर्ष
					रु० ४००.०० प्रति वर्ष
- t	(घ) हल्के वाणिज्यिक यान (माल और यात्री)			7	रु० 500.00 प्रति वर्ष
	(ङ) मध्यम वाणिज्यिक यान (माल और यात्री)				रु० 600.00 प्रति वर्ष
	(च) भारी वाणि	ज्यिक यान (माल 3	गौर यात्री)		रु० 1000.00 प्रति वर्ष।"

रामावतार यादव, उप विधायी परामर्शी, भारत सरकार।